रणजीत टाइम्स

सनातन सुविचार
"कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन"
कर्म करो, फल की चिंता मत करो।

इंदौर
शुक्रवार, 17 अप्रैल, 2026
वर्ष 02 | अंक 97 कुल पृष्ठ : 8 | Digital
RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

मुख्यमंत्री डॉ.यादव बोले

कांग्रेस का महिला विरोधी चेहरा बेनकाब होते दिख रहा

महिला बिल का विरोध करेंगे तो जनता के बीच क्या संदेश जाएगा ये कांग्रेस सोचे

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक ऐसा क्रांतिकारी निर्णय बताया, जिसने सदियों के इंतजार को समाप्त कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कड़े और सीधे शब्दों में कहा यदि कांग्रेस विरोध करेगी तो जनता में गलत संदेश जाएगा।

1971 की बेड़ियों से मुक्त होगा लोकतंत्र– मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी का यह निर्णय साधारण नहीं, बल्कि लोकतंत्र की जड़ों को सींचने वाला है। हम अब तक 1971 की जनगणना के आधार पर चल रहे परिसीमन को ढो रहे थे, लेकिन अब नया परिसीमन हमारे लोकतंत्र को नई ऊर्जा और अधिक मजबूती प्रदान करेगा। यह अधिनियम हमारी बहनों के

लिए वह द्वार खोलेगा, जहां से आधी आबादी को शासन और नीति-निर्धारण में अपना पूरा बल और अधिकार मिलेगा।

कांग्रेस की नीति और नियत में खोट– विपक्ष की दोहरी राजनीति पर गरजते हुए डॉ. यादव ने कहा, कांग्रेस की नीति और नियत में हमेशा से फर्क रहा है। वे कहते तो हैं कि हम महिला आरक्षण चाहते हैं, लेकिन उनकी नीयत में खोट साफ दिखाई देती है। आज वे बेनकाब हो चुके हैं। जिस बिल को सर्वसम्मति से पारित कर एक उत्सव की तरह मनाया जाना चाहिए था, उस पर कांग्रेस मीन-मेख निकाल रही है।

तीन तलाक का पाप धोने के बजाय, नए पाप की तैयारी में विपक्ष

मुख्यमंत्री ने इतिहास के घावों को कुरेदते हुए तीखा हमला बोला : कांग्रेस यह न भूले कि तीन तलाक जैसी अमानवीय प्रथा को ढोने और उसे संरक्षण देने का पाप उन्हीं के माथे पर है। आज जब हमारी सरकार बहनों को सशक्त कर रही है, तब भी कांग्रेस को पीड़ा हो रही है। आधी आबादी सब देख रही है और वह सोच रही है कि आखिर कांग्रेस उनका अहित क्यों चाहती है? यही कारण है कि जनता का भरोसा खोने की वजह से कांग्रेस का जनाधार लगातार गिरता जा रहा है।

महिला आरक्षण बिल पर बोले पीएम मोदी

'जो विरोध करेगा, लंबे वक्त तक कीमत चुकाएगा'

- सरकार महिला आरक्षण रोकने के लिए परिसीमन बिल लाई: कांग्रेस

बीजेपी नारी को नारा बनाने की कोशिश कर रही :अखिलेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने गुरुवार को महिला आरक्षण बिल से जुड़े संशोधनों पर कहा कि हमारे देश में जब जब चुनाव आया है उसमें महिलाओं को मिलने वाले इस अधिकार का जिस-जिसने विरोध किया है। उसका हाल बुरे से बुरा किया है। कभी माफी नहीं मिली। इस अवसर को जाने न दें, इस मंथन से अमृत निकलेगा।

उन्होंने कहा कि इसलिए जिनको भी इसमें राजनीति की बू आ रही है वो खुद के परिणामों को देख लें। इसी में फायदा है जो नुकसान हो रहा है उससे बच जाओगे। इसलिए इसे राजनीतिक रंग देने की जरूरत नहीं है। इसलिए हमारी नीयत की खोट को देश की नारी शक्ति कभी माफ नहीं करेगी।

इससे पहले अखिलेश यादव ने कहा- अब भारतीय जनता पार्टी नारी को नारा बनाने की कोशिश कर रही है। जिन्होंने नारी को अपने संगठन में नहीं रखा वे उसके मान सम्मान को कैसे रखेंगे।

धर्मेंद्र जी आपका आभारी हूं... अखिलेश यादव मेरे दोस्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के विशेष सत्र के दौरान केंद्र सरकार ने गुरुवार को लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पेश किया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी स्पीच के दौरान अखिलेश यादव को अपना दोस्त कहा। वहीं राहुल गांधी ने केसी वेणुगोपाल से जब कहा कि आपका माइक बंद है, तो स्पीकर ने कहा– माइक सिर्फ आपका बंद होता है। उनका चालू है। इसके बाद राहुल और बिड़ला मुस्कुराने लगे। पीएम मोदी की स्पीच के दौरान सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने अपनी चेयर से खड़े होकर कहा– आप भी पिछड़ी जाती से हैं। पिछड़ों का ध्यान नहीं रखते। ये पूरा देश देख रहा है।इस पर मोदी ने कहा– धर्मेंद्र जी मैं आपका बहुत आभारी हूं कि आपने मेरी पहचान करा दी।

रीवा में 15 घंटे बाद खुला जाम

- बेला बायपास पर 15 किलोमीटर तक हजारों वाहन फंसे थे, बीहर नदी का पुल बंद होने से परेशानी

रीवा (एजेंसी)। रीवा में बेला बायपास से मैहर टोल प्लाजा तक लगा करीब 15 किलोमीटर का लंबा जाम 15 घंटे बाद खुल गया। बुधवार रात से खड़े हजारों वाहन जाम खुलने से निकल सके। मौके पर पहुंची रीवा और सतना पुलिस की संयुक्त टीम ने 3 घंटे की मशक्कत के बाद यातायात बहाल कराया।

बता दें कि बीहर पुल के क्षतिग्रस्त होने से बुधवार रात 9 बजे से बेला बायपास और उससे जुड़े मार्गों पर जाम लगा था। जाम में फंसे ट्रक चालक लंबे समय तक भूखे-प्यासे इंतजार करते रहे।

प्रदेश में सामाजिक समरसता बढ़ाने के लिए किए गए कई नवाचार

- **जनजातीय विकास की शक्ति का उपयोग, वंचितों-गरीबों की भक्ति के भाव के साथ किया जाए : राज्यपाल श्री पटेल**

भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि जनजातीय विकास की शक्ति का वंचितों, गरीबों की भक्ति के भाव के साथ उपयोग करें। संवेदनशीलता और आत्मीयता के साथ किए गए कार्य ईश्वर की कृपा के भागी होते हैं। उन्होंने प्रदेश की 21 प्रतिशत आबादी के जनजातीय समुदाय के विकास के कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन की भावी रणनीति के लिए कार्यशाला आयोजन की पहल के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार ज्ञापित किया। बजट में जनजातीय विकास के लिए आवंटित राशि की स्वीकृति प्राप्त करने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि कार्यशाला के आयोजन की मंशा है कि आगे और अधिक बेहतर किया जाए।

राज्यपाल श्री पटेल तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रशासन अकादमी में दीप प्रज्वलित कर तथा भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जनजातीय कार्य विकास मंत्री कुंवर विजय शाह उपस्थित थे।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि वर्तमान समय जनजातीय विकास का स्वर्ण काल कहा जा सकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय विकास की अभूतपूर्व योजनाएं, प्रधानमंत्री जनमन, धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान आदि के अभूतपूर्व कार्य हो रहे हैं। इनके लिए पर्याप्त बजट का भी प्रावधान किया गया है। आवश्यकता जनजातीय समुदाय के लिए अच्छा काम करने

के मनोभाव और संवेदना की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकासखंड, तहसील वार मूलभूत सुविधाओं का मानचित्र तैयार किया जाना चाहिए। मानचित्र में आबादी में स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क आदि मूलभूत जरूरतों की उपलब्धता को अंकित किया जाना चाहिए। उसी के अनुसार जनजातीय विकास का रोड मैप तैयार किया जाना चाहिए।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि निर्धारित राशि के कार्यों के लिए वर्क आर्डर भी समय से जारी किए जाने चाहिए। जिससे राशि का समय-सीमा में उपयोग हो जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के लिए निर्धारित राशि का समय सीमा में उपयोग बड़ी जवाबदारी है। जरूरी है कि विकास के विभिन्न कार्यों की डिजाइन, गुणवत्ता और उपयोगिता के संबंध में व्यापक चिंतन और मैदानी भ्रमण के अनुभवों के आधार पर योजना बनाई जानी चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मोदी के मुख्य मंत्रित्व काल में मंत्री के रुप में कार्य के अनुभव का स्मरण करते हुए कहा कि योजनाओं का निर्माण व्यापक मैदानी भ्रमण के अनुभवों के आधार पर किया जाना चाहिए। इससे क्रियान्वयन संबंधी चुनौतियों, कठिनाईयों की अग्रिम जानकारी हो जाती है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों को समझने के लिए हितग्राहियों के साथ परस्पर और आत्मीय संबंधों के द्वारा समझने की जरूरत पर बल दिया। स्कूल ड्रॉप आउट की चुनौती का उल्लेख करते हुए कहा कि ड्राप आउट के कारणों को विभिन्न आयाम हो सकते है। पालकों के अशिक्षित होने से शिक्षा के महत्व का ज्ञान नहीं होना। पढ़ाई में बच्चे, बच्ची का कमजोर होना, विद्यालय का घर से दूर होना, रास्ता दुर्गम होना, विद्यालय में शौचालय का अभाव आदि, आवश्यकता ऐसे कारणों को समझ कर योजना बनाने की है। उन्होंने कार्यशाला की सफलता के लिए बधाई दी।

- **जनजातीय समुदायों को शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और पेयजल की उपलब्धता राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री**

शिवपुरी पुलिस की 'सर्जिकल स्ट्राइक': सार्वजनिक स्थानों पर जाम छलकाने वालों की खैर नहीं, कोतवाली पुलिस ने 16 को दबोचा

ऋषि गोस्वामी

शिवपुरी शहर की सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर अवैध शराब की बिक्री और नशा करने वालों के खिलाफ कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ के सख्त रुख के बाद, कोतवाली थाना पुलिस ने 'स्पेशल अभियान' चलाकर कुल 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से अवैध शराब कारोबारियों और सरेराह जाम छलकाने वालों में हड़कंप मच गया है।

एसपी के निर्देश पर एक्शन मोड में पुलिस

जिले में अवैध हथियार, मादक पदार्थ और जुए-सट्टे के खिलाफ चलाए जा रहे जीरो टॉलरेंस अभियान के तहत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले एवं नगर पुलिस अधीक्षक संजय चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में कोतवाली टीआई रोहित दुबे ने एक विशेष टीम गठित की। पुलिस टीम ने 12 अप्रैल से 15 अप्रैल के बीच शहर के विभिन्न इलाकों में सघन छापामार कार्रवाई की।

शराब तस्करों और पियक्कड़ों पर कसा शिकंजा- पुलिस ने कार्रवाई के दौरान न केवल शराब बेचने वालों को पकड़ा, बल्कि सार्वजनिक

स्थलों पर बैठकर माहौल खराब करने वालों को भी सलाखों के पीछे पहुँचाया।

जब्ती का विवरणः अवैध शराब बिक्रीः पुलिस ने पंकज धाकड़ (झलवासा), विजय बंजारा (नोहरी), अरविन्द जाटव (तानपुर), बीरबल जाटव (खोरघार), देवसिंह रावत (कुश्यारा), अनिल जाटव (रेलवे स्टेशन), गणेशा जाटव (झींगुरा), कृष्णानंद शर्मा (कमलागंज), राहुल शाक्य (संजय कॉलोनी) और छोटू शर्मा (ग्वालियर बायपास) को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया। इनके पास से भारी मात्रा में देसी क्वार्टर, कच्ची शराब और बीयर जब्त की गई है।

सार्वजनिक नशाखोरीः वहीं, अजमेरा पाल, सोनेराम आदिवासी, कमल रजक, रणजीत जाटव, नीरज यादव और आनंद जाटव को सरेराह शराब पीकर हुड़दंग मचाते हुए पकड़ा गया। सभी आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किए गए हैं। टीम की रही सराहनीय भूमिका इस पूरी कार्रवाई को सफलतापूर्वक अंजाम देने में कोतवाली निरीक्षक रोहित दुबे, उपनिरीक्षक सुमित शर्मा, सउनि प्रवीण त्रिवेदी, विवेक भट्ट सहित प्रधान आरक्षक गजेंद्र परिहार, विनय सिंह, रविकुमार, जितेंद्र रायपुरिया और उनकी पूरी टीम की विशेष भूमिका रही। कोतवाली पुलिस का संदेशः » "शहर की शांति व्यवस्था भंग करने वालों और अवैध नशे का कारोबार करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। यह अभियान भविष्य में भी इसी तरह निरंतर जारी रहेगा।"

भाजपा की किसान विरोधी नीति के कारण 5 भाजपा कार्यकर्ताओ ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की

विधायक प्रताप ग्रेवाल की कार्यशैली से प्रभावित होकर कांग्रेस का दामन थामा

दिलीप पाटीदार

सरदारपुर विधायक प्रताप ग्रेवाल के जन्मदिन के अवसर पर सरदारपुर नगर मे आयोजित कार्यक्रम के दौरान ग्राम जौलाना के हर्षवर्धनसिंह राठौर, गोपालसिंह राठौर, काना जाट, गट्टु जाट एवं ग्राम खरेली के लक्की जाट ने भारतीय जनता पार्टी की किसान विरोधी नीति से आहत होकर एवं विधायक प्रताप ग्रेवाल की कार्यशैली से प्रभावित होकर भाजपा का दामन छोडकर कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। विधायक प्रताप ग्रेवाल, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष रतनलाल पडियार ने सभी युवाओ का पुष्पमालाओ से स्वागत कर कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करवाई। कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करने वाले हर्षवर्धनसिंह राठौर ने कहा कि भाजपा की किसान विरोधी और आम जनता विरोधी नीतियो से जनता परेशान है भाजपा सरकार मे किसानो की उपज के उचित दाम नही मिल रहे है इसलिए भाजपा छोडकर कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की है। इस दौरान पप्पु बना जौलाना, सरदार डामर, दिनेश चोधरी, जुवानसिंह जामनिया आदि उपस्थित रहे। उक्त जानकारी विधायक कार्यालय से विष्णु चोधरी द्वारा दी गई।

छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ ने किया प्रसाद वितरण, महापौर ने सराहा धार्मिक आयोजन

कोरबा। शहर के राम सागर पारा क्षेत्र में केसरवानी परिवार द्वारा आयोजित नव दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ में श्रद्धा और भक्ति का माहौल देखने को मिल रहा है।

इस धार्मिक आयोजन में कथा वाचक पंडित श्रीकांत दुबे द्वारा भक्तों को कथा का रसपान कराया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ द्वारा श्रद्धालुओं के बीच हलवा प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम में कोरबा नगर पालिका निगम की महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत एवं पार्षद ईश्वर पटेल, युगल केवट सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत साईं सेवा महिला समिति द्वारा किया गया।

इस अवसर पर महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत ने कहा कि श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ जैसे धार्मिक आयोजनों से मोहल्ले का वातावरण सकारात्मक और आध्यात्मिक बनता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन प्रत्येक मोहल्ले में होने चाहिए, जिससे समाज में सद्भाव और संस्कारों का प्रसार हो। उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें भी कथा श्रवण का अवसर प्राप्त हुआ, यह उनके लिए सौभाग्य की बात है। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ के जिला अध्यक्ष विपेंद्र कुमार साहू, जिला सचिव जय कुमार नेताम, कोषाध्यक्ष लक्ष्मी राठौर, राय सिंह, अनिल गिरी, राजकुमार पटेल, तपेश्वर राठौर एवं रामायण सिंह सहित गौ सेवा समिति व अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

गांधी हॉल में 25 जोड़ों का निःशुल्क सामूहिक विवाह समारोह भव्य रूप से सम्पन्न

खुशबू श्रीवास्तव

सनातन परंपराओं के साथ सात फेरे, संतों और जनप्रतिनिधियों की रही गरिमामयी उपस्थिति

इंदौर। गत दिवस शहर के गांधी हॉल में विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-3 के 25 जोड़ों का निःशुल्क सामूहिक विवाह समारोह सनातन हिंदू परंपराओं एवं पूज्य संतों के आशीर्वाद के साथ अत्यंत भव्य और गरिमामयी रूप से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में उत्सव और उल्लास का वातावरण बना रहा। समारोह के दौरान भव्य बारात, आकर्षक आतिशबाजी और संतों के स्नेहिल आशीर्वाद ने आयोजन को विशेष बना दिया। नवविवाहित जोड़ों ने वैदिक मंत्रोच्चार एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ सात फेरे लेकर अपने नए जीवन की शुरुआत की। समारोह का सबसे भावुक क्षण वह रहा जब नवविवाहित जोड़ों और उनके माता-पिता के चेहरों पर खुशी, संतोष और गर्व एक साथ दिखाई दिया। यह दृश्य उपस्थित लोगों के लिए हृदयस्पर्शी रहा। यह आयोजन सामाजिक समरसता, सहयोग और भारतीय संस्कारों की सुंदर अभिव्यक्ति बनकर सभी के मन में एक मधुर स्मृति के रूप में बस गया। इस अवसर पर परम पूज्य संत श्री दादू महाराज जी, प.पू. अण्णा जी महाराज, प.पू. श्री पवनानंद जी महाराज, प.पू. श्री नाना जी महाराज, प.पू. श्री जीतू गुरु जी, प.पू. श्री विवेक बरवै गुरु जी तथा प.पू. श्री विनीत गुरु जी उपस्थित रहे।

साथ ही कैबिनेट मंत्री श्री तुलसी सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, वरिष्ठ नेता श्री कृष्ण मुरारी मोघे, श्री गोपीकृष्ण नेमा, श्री मुन्ना लाल यादव, श्री जीतू यादव सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं विधानसभा क्रमांक-3 के क्षेत्रवासी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट के थानों के मूल्यांकन का माह मार्च के परिणाम जारी..

खुशबू श्रीवास्तव

बेहतर परफॉर्मेंस कर थाना चंदन नगर प्रथम व औसत कार्यवाही पर थाना सराफा रहा सबसे अंतिम स्थान पर

पुलिस कमिश्नरेट नगरीय इन्दौर के थानो का मूल्यांकन माह मार्च 2026

क्रमांक	जोन	थाना
1	जोन–4	चंदन नगर
2	जोन–4	भंवरकुंआ
3	जोन–4	द्वारिकापुरी
4	जोन–4	जूनी इन्दौर
5	जोन–3	बाणगंगा
6	जोन–2	खजराना
7	जोन–4	अन्नपूर्णा
8	जोन–2	तिलकनगर
9	जोन–4	रावजी बाजार
10	जोन–2	लसूड़िया
11	जोन–3	संयोगितागंज
12	जोन–2	एमआईजी
13	जोन–3	पलासिया
14	जोन–1	राऊ
15	जोन–1	तेजाजीनगर
16	जोन–3	हीरानगर
17	जोन–4	छत्रीपुरा
18	जोन–4	पंढरीनाथ
19	जोन–2	कनाडिया
20	जोन–2	विजयनगर
21	जोन–1	गांधीनगर
22	जोन–1	मल्हारगंज
23	जोन–1	एरोड्रम
24	जोन–3	एम.जी.रोड
25	जोन–3	छोटी ग्वालटोली
26	जोन–3	तुकोगंज
27	जोन–1	राजेन्द्रनगर
28	जोन–1	सदरबाजार
29	जोन–2	परदेशीपुरा
30	जोन–1	आजादनगर
31	जोन–3	कोतवाली
32	जोन–4	सराफा

इंदौर शहर में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण व बेहतर पुलिसिंग हेतु पुलिस थानों के कार्य निष्पादन को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी, उत्तरदायी एवं जनोन्मुखी बनाए जाने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नर इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के दिशा निर्देशन में, इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा थानों के कार्य की एक मानकीकृत मूल्यांकन प्रणाली प्रारंभ की गई है, जिसमें विभिन्न मापदंडों पर प्रत्येक ज़ोन में पुलिस थानों के कार्यों का मूल्यांकन मासिक आधार पर किया जा रहा है। उक्त मूल्यांकन प्रणाली के तहत मार्च माह में पुलिस थानों द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा संबंधित ज़ोन की डीसीपी की अध्यक्षता में बनी कमेटी द्वारा निर्धारित मापदंडों पर की गई, जिसके आधार पर पूरे इंदौर कमिश्नरेट के सभी 32 थानों के कार्य निष्पादन, जनसतुष्टि और आमजन के हित में किये जा रहे नवाचारों आदि पैरामीटर्स के आधार पर, बेहतर परफॉर्मेंस के लिए ज़ोन -04 के थाना चंदन नगर ने प्रथम, भंवरकुआं ने द्वितीय व द्वारिकापुरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, वही निर्धारित मापदंडों पर सबसे औसत परफॉर्मेंस के साथ ज़ोन -04 का ही थाना सराफा सबसे अंतिम स्थान पर रहा।बेहतर प्रदर्शन करने वाले थानों के थाना प्रभारी सहित स्टाफ को प्रोत्साहित किया जाएगा वहीं कमजोर परफॉर्मेंस वाले थानों के थाना प्रभारी व स्टाफ को और बेहतर कार्यवाही के लिए कुछ दिनों की ट्रेनिंग भी करवाई जाएगी, और उन्हें व्यावसायिक रूप से और दक्ष बनाने के लिए आवश्यक कार्यवाही की जावेगी। पुलिस की कार्य प्रणाली को और बेहतर व अधिक प्रभावी, पारदर्शी, उत्तरदायी एवं जनोन्मुखी बनाए जाने के प्रयास निरंतर जारी रहेंगे।

🎉 Heartfelt Wishes to Naveen Bhatia 🎉

Indore:

Heartfelt wishes have been extended to **Naveen Bhatia** by **Jitendra Bhatia,** Kumar Bhatia, Mohit Bhatia, and **Bhaumik Bhatia.** 🌹

On this special occasion, they prayed to God to bless Naveen Bhatia with a life filled with happiness, prosperity, and success. 🙏

May he continue to grow, achieve new heights, and bring pride to his family and society. 🌟

— Best Wishes From

Jitendra Bhatia
Kumar Bhatia
Mohit Bhatia
Bhaumik Bhatia

भारतीय संस्कृति में दृढ़ विश्वास सहजयोग का आधार है

परम पूज्य श्री माताजी ने सहजयोग की संस्थापना के प्रारंभ से ही सहजयोगियों को निर्देशित किया है, कि सहजयोग का मूल आधार सनातन भारतीय संस्कृति ही है। जो भी सहज योग को अपनाता है उसकी उत्क्रांति तभी संभव है, जब वह इस संस्कृति के लिए अपने मन में दृढ़ विश्वास व सम्मान जागृत कर लेता है। परंतु श्री माताजी ने स्वयं ही हमें इस बात के लिए भी सचेत किया है, कि प्रत्येक सभ्यताओं के समान हमारे यहां भी धर्म के मूल तत्व में अनेक कुरीतियां, अंधविश्वास तथा बाह्य आडंबर घुल-मिल गए हैं।

शुद्ध ज्ञान के अभाव में हम इन आडंबरों तथा अंधविश्वास को ही धर्म समझने लगते हैं। शुद्ध ज्ञान की प्राप्ति कुंडलिनी जागरण के पश्चात आत्मसाक्षात्कारी व्यक्ति को सहज ही हो जाती है। भारतीय संस्कृति के अनेक प्रमुख मूल्यों व पहलुओं में से एक है दानधर्म। भारतीयों को इस धर्म के बारे में कुछ भी अधिक कहने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि हमारे यहां दान कर्म हमारे यहां की प्रतिचर्या का अभिन्न अंग है। गाय को प्रथम ग्रास से लेकर श्वान को दिए जाने वाले अंतिम ग्रास तक तथा समाज के आर्थिक व सामाजिक रूप से पिछड़े हुए वर्ग को त्यौहारों-पर्वों के अवसर पर प्रेम पूर्वक भेंट किए जाने वाले मिष्ठान, अन्न, वस्त्रादि हमारी ग्रामीण अंचल की विशेषता रही है।

हमारा इतिहास राजा हरिश्चंद्र, राजा शिवि, महर्षि दधीचि, दानवीर कर्ण जैसे सैकड़ों दानवीरों से समृद्ध हैं। भारतवर्ष में राजाओं के दरबार सदैव ही कलाकारों, विद्वानों, ब्राह्मणों आदि की आश्रम स्थली हुआ करते थे। श्री माताजी ने भी अपनी अमृतवाणी में हमें मार्गदर्शित किया है कि, "आशीर्वाद के रूप में जो धन मनुष्य को प्राप्त होता है वह उदारता पूर्वक सृजनात्मक कलाकारों, लेखकों, कवियों की कला तथा जरूरतमंद लोगों की वास्तविक मदद कर आनंद लेने के लिए होता है।"('पराआधुनिक युग' पुस्तक से) श्री माताजी के आख्यान के अनुसार, "सोचना चाहिए पैसा जो है परमात्मा ने हमारे लिए दान के लिए दिया है। हम बीच में एक माध्यम बने खड़े हुए हैं..... इसका जो शुभ कर्म हो सकता है वह करना है और इससे जो भी लोगों की मदद हो सकती है वह करना चाहिए और अच्छे मार्ग में सन्मार्ग में रहना चाहिए।" (15/3/1984 दिल्ली) व्यक्तिगत उन्नति के साथ साथ सामूहिकता सहजयोग की विशेषता है। अतः संपूर्ण विश्व हमारा कर्मक्षेत्र होना चाहिए तथा उदारमन से हमें प्रत्येक जरूरतमंद की सहायता के लिए तत्पर रहना चाहिए। इस जीवंत, शाश्वत, आत्मज्ञान को प्राप्त करने हेतु सहजयोग से संबंधित जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं। सहजयोग पूर्णतया निःशुल्क है।

रणजीत टाइम्स

घंटाघर हनुमान मंदिर के सामने

शराब दुकान हटाने की मांग हिंदू परिषद बजरंग दल ने किया कलेक्ट्रेट गेटमें जोरदार प्रदर्शन

कटनीआबकारी विभाग शराब ठेकेदारों के सामने किया समर्पण

नवल किशोर कुशवाहा

कटनी।शहर के घंटाघर स्थित हनुमान मंदिर के ठीक सामने संचालित शराब ठेके को लेकर जनआक्रोश विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल इकाई जिला कटनी के बैनर तले सैकड़ों कार्यकर्ता ने गुरुवार को सड़कों पर उतर आए और कलेक्ट्रेट कार्यालय के मुख्य द्वार पर चक्का जाम कर जोरदार शक्ति प्रदर्शन किया। पूरे क्षेत्र में मंदिर के सामने मदिरा नहीं चलेगी और आबकारी विभाग होश में आओ जैसे नारों की गूंज सुनाई दी। प्रदर्शन केवल विरोध नहीं, बल्कि एक स्पष्ट चेतावनी के रूप में सामने आया। कार्यकर्ताओं ने दो टूक कहा कि आस्था के केंद्र के सामने शराब ठेका किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उनका आरोप है कि प्रशासन जानबूझकर इस गंभीर मुद्दे को नजरअंदाज कर रहा है, जिससे जनता की धार्मिक भावनाएं आहत हो रही हैं। विहिप के नेताओं और पदाधिकारियों ने कहा कि यह सिर्फ एक ठेका हटाने की मांग नहीं, बल्कि संस्कार और आस्था की रक्षा का आंदोलन है। बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने भी आक्रोश जताते हुए स्पष्ट कर दिया कि यदि जल्द निर्णय नहीं लिया गया, तो यह आंदोलन और व्यापक तथा उग्र रूप लेगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। चक्का जाम के चलते कुछ समय के लिए शहर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। हालांकि मौके पर तैनात पुलिस और ट्रैफिक बल ने स्थिति को नियंत्रित रखा और बाद में यातायात बहाल कराया, लेकिन प्रदर्शनकारियों के तेवर पूरे समय आक्रामक बना रहा।

प्रदर्शन के दौरान एक ही स्वर गूंजता रहा मंदिर की मर्यादा से समझौता नहीं। संगठनों ने प्रशासन को अल्टीमेटम देते हुए मांग की है कि घंटाघर स्थित हनुमान मंदिर के सामने से शराब ठेका तत्काल हटाया जाए, अन्यथा आंदोलन को जिलेभर में फैलाया जाएगा। इस पूरे घटनाक्रम ने साफ कर दिया है कि यह मुद्दा अब केवल एक स्थान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जनभावनाओं से जुड़ा बड़ा आंदोलन बन चुका है। अब सबकी नजरें जिला प्रशासन पर टिकी हैं क्या वह आस्था के इस उफान के आगे झुकेगा या फिर टकराव की स्थिति और गहराएगी। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि जनभावनाओं की अनदेखी लंबे समय तक संभव नहीं होती। प्रशासन के लिए यह एक परीक्षा की घड़ी है जहां उसे कानून, व्यवस्था और सामाजिक संवेदनशीलता के बीच संतुलन बनाते हुए निर्णय लेना होगा। वहीं, समाज के विभिन्न संगठनों की जिम्मेदारी भी है कि वे अपनी बात शांतिपूर्ण और संवाद के माध्यम से रखें। समाधान टकराव में नहीं, बल्कि समझ और संतुलन में छिपा है ताकि शहर की शांति, आस्था और व्यवस्था तीनों सुरक्षित रह सकें।

स्वास्थ्य केंद्र की लापरवाही से प्रसूता स्वास्थ्य केंद्र की लापरवाही से प्रसूता की मौत का आरोप

राजेश धाकड़

आदिवासी समाज ने शव रखकर किया चक्काजाम बलवाड़ा/खरगोन। जिला खरगोन के बलवाड़ा स्थित सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में कथित लापरवाही का गंभीर मामला सामने आया है। प्रसव पीड़ा होने पर सपना आदिवासी नामक महिला अपने पति के साथ उपचार एवं डिलीवरी के लिए सरकारी स्वास्थ्य केंद्र बलवाड़ा पहुंची थी। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल स्टाफ ने समय पर उचित उपचार नहीं किया और ना ही मरीज को अन्य बड़े अस्पताल रेफर करने के लिए एंबुलेंस सुविधा उपलब्ध कराई। परिजनों ने बताया कि अस्पताल कर्मचारियों ने यह भी स्पष्ट नहीं किया कि यहां डिलीवरी संभव नहीं है, जिसके चलते समय पर उपचार नहीं मिल सका। इलाज में देरी और लापरवाही के कारण सपना आदिवासी की मौत हो गई। घटना के बाद परिवार सहित आदिवासी समाज में भारी आक्रोश फैल गया।

मौत की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में समाजजन और ग्रामीण अस्पताल पहुंचे और प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। इसके बाद गुस्साए लोगों ने मृतका का शव खंडवा रोड पर रखकर चक्काजाम कर दिया। सड़क पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। प्रदर्शनकारियों ने स्वास्थ्य केंद्र के जिम्मेदार कर्मचारियों पर कार्रवाई, मृतका के परिवार को आर्थिक सहायता तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग की। मौके पर पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया।

काफी देर तक चले विरोध प्रदर्शन के बाद अधिकारियों ने जांच का आश्वासन दिया, जिसके बाद स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हुई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते उचित इलाज और एंबुलेंस सुविधा मिल जाती, तो सपना आदिवासी की जान बचाई जा सकती थी। घटना के बाद क्षेत्र में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर नाराजगी बनी हुई है।की मौत का आरोप, आदिवासी समाज ने शव रखकर किया चक्काजाम बलवाड़ा/खरगोन। जिला खरगोन के बलवाड़ा स्थित सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में कथित लापरवाही का गंभीर मामला सामने आया है। प्रसव पीड़ा होने पर सपना आदिवासी नामक महिला अपने पति के साथ उपचार एवं डिलीवरी के लिए सरकारी स्वास्थ्य केंद्र बलवाड़ा पहुंची थी। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल स्टाफ ने समय पर उचित उपचार नहीं किया और ना ही मरीज को अन्य बड़े अस्पताल रेफर करने के लिए एंबुलेंस सुविधा उपलब्ध कराई। परिजनों ने बताया कि अस्पताल कर्मचारियों ने यह भी स्पष्ट नहीं किया कि यहां डिलीवरी संभव नहीं है, जिसके चलते समय पर उपचार नहीं मिल सका। इलाज में देरी और लापरवाही के कारण सपना आदिवासी की मौत हो गई। घटना के बाद परिवार सहित आदिवासी समाज में भारी आक्रोश फैल गया।मौत की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में समाजजन और ग्रामीण अस्पताल पहुंचे और प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। इसके बाद गुस्साए लोगों ने मृतका का शव खंडवा रोड पर रखकर चक्काजाम कर दिया। सड़क पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। प्रदर्शनकारियों ने स्वास्थ्य केंद्र के जिम्मेदार कर्मचारियों पर कार्रवाई, मृतका के परिवार को आर्थिक सहायता तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग की। मौके पर पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया।

काफी देर तक चले विरोध प्रदर्शन के बाद अधिकारियों ने जांच का आश्वासन दिया, जिसके बाद स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हुई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते उचित इलाज और एंबुलेंस सुविधा मिल जाती, तो सपना आदिवासी की जान बचाई जा सकती थी। घटना के बाद क्षेत्र में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर नाराजगी बनी हुई है।

आमजन को वितरित किया गया एफटीके किट, जल का बताया गया महत्व

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खण्ड शहडोल एस. एल. धुर्वे ने बताया कि विशेष ग्राम सभाओं के माध्यम से जल परीक्षण हेतु ग्राम विक्रमपुर, चिटुहिला एवं बरतरा में एफटीके किट का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय लोगो को एफटीके किट के माध्यम से पेयजल स्रोतों की गुणवत्ता परीक्षण की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल के महत्व के संबंध में जागरूक करते हुए नियमित जल परीक्षण हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव सहित लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से विकासखंड समन्वयक दीप नारायण त्रिपाठी, पीएमयू स्टाफ एवं आईईसी समन्वयक रोहणी कुमार बर्मन उपस्थित रहे।

164 बच्चों की 'रेस्क्यू' कार्रवाई पर उठे सवाल
क्या संवैधानिक अधिकारों का हुआ उल्लंघन ?

परिजनों की सहमति से पढ़ाई के लिए जा रहे थे बच्चे, छह दिन से बाल गृहों में निरुद्ध—माता-पिता की पीड़ा और न्याय की पुकार

नवल किशोर कुशवाहा

कटनी। बिहार से महाराष्ट्र ले जाए जा रहे 164 बच्चों को कटनी रेलवे स्टेशन पर जीआरपी द्वारा उतारकर मानव तस्करी की आशंका में कार्रवाई की गई। बच्चों को कटनी और जबलपुर के बाल गृहों में भेज दिया गया, जहां वे पिछले छह दिनों से निरुद्ध हैं। इस कार्रवाई के बाद बच्चों को ले जाने वाले लोगों पर मानव तस्करी का गंभीर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। हालांकि, अब इस पूरे घटनाक्रम ने नया मोड़ ले लिया है। बच्चों के परिजनों का कहना है कि वे मजदूरी के लिए नहीं, बल्कि अपनी सहमति से शिक्षा प्राप्त करने हेतु महाराष्ट्र के मदरसों में भेजे जा रहे थे। परिजन लगातार लंबा सफर तय कर कटनी पहुंच रहे हैं और रेलवे पुलिस के समक्ष बयान दर्ज करा रहे हैं कि बच्चों को उनकी अनुमति से पढ़ने के लिए भेजा गया था। भीषण गर्मी में माता-पिता की यह पीड़ा मानवीय संवेदनाओं को झकझोर रही है। सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में अररिया निवासी मोहम्मद शौकत, मोहम्मद शाहिद सहित अन्य अभिभावकों ने स्पष्ट किया है कि उनके बच्चे शिक्षा के उद्देश्य से जा रहे थे। एक मां ने भावुक होकर अपने 11 वर्षीय बेटे की रिहाई की गुहार लगाई है। स्थानीय समाजसेवियों ने भी इस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा है कि कुछ बच्चों के पिता स्वयं उनके साथ यात्रा कर रहे थे, जिन्हें भी हिरासत में ले लिया गया। उनका तर्क है—"कोई पिता अपने ही बच्चे की तस्करी कैसे कर सकता है?" वहीं पुलिस का कहना है कि बच्चों की काउंसलिंग की जा रही है और स्थानीय प्रशासन से सत्यापन कराया जा रहा है। बाल कल्याण समिति के निर्देशों के बाद ही आगे की कार्रवाई होगी। यह मामला अब केवल एक पुलिस कार्रवाई नहीं, बल्कि संवैधानिक अधिकारों से जुड़ा गंभीर प्रश्न बनता जा रहा है।

भारत के संविधान के तहत व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 21), शिक्षा का अधिकार (अनुच्छेद 21A) तथा आवागमन की स्वतंत्रता (अनुच्छेद 19) हर नागरिक को प्राप्त है। ऐसे में बिना ठोस प्रमाण के बच्चों को लंबे समय तक निरुद्ध रखना और परिजनों से अलग करना इन अधिकारों के संभावित उल्लंघन की ओर संकेत करता है। यदि जांच में मानव तस्करी के ठोस साक्ष्य नहीं मिलते, तो यह कार्रवाई सैकड़ों परिवारों के लिए मानसिक, सामाजिक और आर्थिक पीड़ा का कारण बन सकती है। कई निर्दोष लोग वर्षों तक कानूनी प्रक्रिया में उलझ सकते हैं। फिलहाल, प्रशासन सत्यापन और जांच की प्रक्रिया पूरी होने का इंतजार कर रहा है, लेकिन सवाल यही है—क्या सुरक्षा के नाम पर संवेदनशीलता और संवैधानिक संतुलन कहीं पीछे तो नहीं छूट गया?

स्वास्थ्य केंद्र की लापरवाही से प्रसूता स्वास्थ्य केंद्र की लापरवाही से प्रसूता की मौत का आरोप

राजेश धाकड़

आदिवासी समाज ने शव रखकर किया चक्काजाम

बलवाड़ा/खरगोन। जिला खरगोन के बलवाड़ा स्थित सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में कथित लापरवाही का गंभीर मामला सामने आया है। प्रसव पीड़ा होने पर सपना आदिवासी नामक महिला अपने पति के साथ उपचार एवं डिलीवरी के लिए सरकारी स्वास्थ्य केंद्र बलवाड़ा पहुंची थी। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल स्टाफ ने समय पर उचित उपचार नहीं किया और ना ही मरीज को अन्य बड़े अस्पताल रेफर करने के लिए एंबुलेंस सुविधा उपलब्ध कराई। परिजनों ने बताया कि अस्पताल कर्मचारियों ने यह भी स्पष्ट नहीं किया कि यहां डिलीवरी संभव नहीं है, जिसके चलते समय पर उपचार नहीं मिल सका। इलाज में देरी और लापरवाही के कारण सपना आदिवासी की मौत हो गई। घटना के बाद परिवार सहित आदिवासी समाज में भारी आक्रोश फैल गया। मौत की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में समाजजन और ग्रामीण अस्पताल पहुंचे और प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। इसके बाद गुस्साए लोगों ने मृतका का शव खंडवा रोड पर रखकर चक्काजाम कर दिया। सड़क पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात पूरी तरह बाधित हो गया।

प्रदर्शनकारियों ने स्वास्थ्य केंद्र के जिम्मेदार कर्मचारियों पर कार्रवाई, मृतका के परिवार को आर्थिक सहायता तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग की। मौके पर पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया। काफी देर तक चले विरोध प्रदर्शन के बाद अधिकारियों ने जांच का आश्वासन दिया, जिसके बाद स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हुई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते उचित इलाज और एंबुलेंस सुविधा मिल जाती, तो सपना आदिवासी की जान बचाई जा सकती थी। घटना के बाद क्षेत्र में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर नाराजगी बनी हुई है।की मौत का आरोप, आदिवासी समाज ने

शव रखकर किया चक्काजाम

बलवाड़ा/खरगोन। जिला खरगोन के बलवाड़ा स्थित सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में कथित लापरवाही का गंभीर मामला सामने आया है। प्रसव पीड़ा होने पर सपना आदिवासी नामक महिला अपने पति के साथ उपचार एवं डिलीवरी के लिए सरकारी स्वास्थ्य केंद्र बलवाड़ा पहुंची थी। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल स्टाफ ने समय पर उचित उपचार नहीं किया और ना ही मरीज को अन्य बड़े अस्पताल रेफर करने के लिए एंबुलेंस सुविधा उपलब्ध कराई। परिजनों ने बताया कि अस्पताल कर्मचारियों ने यह भी स्पष्ट नहीं किया कि यहां डिलीवरी संभव नहीं है, जिसके चलते समय पर उपचार नहीं मिल सका। इलाज में देरी और लापरवाही के कारण सपना आदिवासी की मौत हो गई। घटना के बाद परिवार सहित आदिवासी समाज में भारी आक्रोश फैल गया। मौत की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में समाजजन और ग्रामीण अस्पताल पहुंचे और प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। इसके बाद गुस्साए लोगों ने मृतका का शव खंडवा रोड पर रखकर चक्काजाम कर दिया। सड़क पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। प्रदर्शनकारियों ने स्वास्थ्य केंद्र के जिम्मेदार कर्मचारियों पर कार्रवाई, मृतका के परिवार को आर्थिक सहायता तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग की। मौके पर पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया। काफी देर तक चले विरोध प्रदर्शन के बाद अधिकारियों ने जांच का आश्वासन दिया, जिसके बाद स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हुई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते उचित इलाज और एंबुलेंस सुविधा मिल जाती, तो सपना आदिवासी की जान बचाई जा सकती थी। घटना के बाद क्षेत्र में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर नाराजगी बनी हुई है।

जल गंगा संवर्धन अभियान और मनरेगा के कार्यों में लापरवाही को लेकर जिला पंचायत सीईओ सख्त

सुश्री कौर ने विजयराघवगढ़ के उपयंत्री श्री रैदास को शासकीय कार्यों से पृथक कर सेक्टर का प्रभार अन्य को सौंपा, पारिश्रमिक आधा कर जनपद कटनी में किया अटैच

नवल किशोर कुशवाहा

कटनी । जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 एवं मनरेगा के कार्यों में रुचि नहीं लेने और लापरवाही बरतने पर जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर ने सख्त कार्यवाही करते हुए जनपद पंचायत विजयराघवगढ़ में कार्यरत उपयंत्री श्री पंचम लाल रैदास को शासकीय कार्यों से विरत करते हुए जनपद पंचायत कटनी में संलग्न किया है। यही नहीं बल्कि जिला पंचायत सीईओ ने श्री रैदास के निर्धारित मासिक पारिश्रमिक का 50% पारिश्रमिक भुगतान करने के आदेश दिए हैं। सुश्री कौर ने उपयंत्री श्री रैदास के कार्यक्षेत्र (सेक्टर) गैरतलाई का अतिरिक्त प्रभार आगामी आदेश तक जनपद पंचायत विजयराघवगढ़ में पदस्थ अन्य उपयंत्री श्री के.एल.पटेल को मूल सेक्टर के साथ सौंपा है।

मामला इस प्रकार है

जारी आदेश के मुताबिक जनपद पंचायत विजयराघवगढ़ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा प्राप्त प्रस्ताव के अनुसार उपयंत्री श्री रैदास द्वारा महात्मा गांधी नरेगा योजना के अंतर्गत लक्ष्य के अनुरूप लेबर बजट, श्रमिक नियोजन,आधार ई केवाईसी एवं जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के कार्यों को पूर्ण

कराने में कोई रुचि नहीं लिए जाने का उल्लेख है। उपयंत्री श्री रैदास द्वारा दो कारण बताओ सूचना पत्रों का जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया। इसलिए जिला पंचायत सीईओ सुश्री कौर ने वरिष्ठ कार्यालय के निर्देशों की अवहेलना, लापरवाही एवं स्वेच्छाचरिता पाए जाने पर मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद द्वारा जारी संविदा अधिकारियों कर्मचारियों की नवीन सेवा शर्त (अनुशासन एवं नियंत्रण) मैं निहित प्रावधानों के अनुसार तत्परता पूर्वक कड़ी कार्रवाई की। सुश्री कौर ने ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग कटनी के कार्यपालन यंत्री को निर्धारित समयावधि में विस्तृत जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया है।

जनगणना अभियान में प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भूमिका जरूरी :- प्रमुख नगर जनगणना अधिकारी सुश्री परिहार

नागरिकों से ऑनलाइन पोर्टल पर सेल्फ एन्यूमरेशन का आग्रह , 30 अप्रैल तक चलेगा सेल्फ एन्यूमरेशन अभियान

नवल किशोर कुशवाहा

कटनी । प्रमुख नगर जनगणना अधिकारी एवं आयुक्त नगर निगम सुश्री तपस्या परिहार आई.ए.एस ने नगर वासियों से देशभर में चलाए जा रहे जनगणना अभियान को सफल बनाने में अपना पूर्ण सहयोग देने का आह्वान किया है। निगमायुक्त ने कहा कि जनगणना एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है और इसे प्राथमिकता देना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनगणना अभियान में प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है ताकि सटीक एवं अपडेट आंकड़े प्राप्त हो सकें। उन्होंने कहा कि 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक जनगणना 2027 के प्रथम चरण - मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के लिए नगर में सेल्फ एन्यूमरेशन अर्थात स्व-गणना का कार्य किया जाएगा। इस अवधि के दौरान नागरिक स्वयं अपनी जानकारी ऑनलाइन पोर्टलhttps://se.census.gov.in पर दर्ज कर प्रस्तुत कर सकते है। निगमायुक्त ने कहा कि जनगणना के माध्यम से प्राप्त आंकड़े देश की विकास योजनाओं की आधारशिला होते हैं, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति का सही एवं समय पर विवरण दर्ज करना अत्यंत आवश्यक है। आपने जनगणना कार्य में संलग्न निगम की विभिन्न शाखाओं के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने स्तर पर जन जागरूकता बढ़ाएं और अधिक से अधिक लोगों को सेल्फ एन्यूमरेशन के लिए प्रेरित करें, ताकि यह अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

ऑनलाइन पोर्टल पर सेल्फ एन्यूमरेशन प्रक्रिया

निगमायुक्त सुश्री परिहार ने बताया कि सेल्फ-एन्यूमरेशन फ्लो चार्ट के माध्यम से नागरिक आसानी

जनगणना 2027 में डिजिटल मोड में अपना व परिवार का विवरण भर सकते है। इसके लिए उन्हें सबसे पहले सरकारी पोर्टल, ऐपhttps://se.census.gov.in पर जाकर लॉग इन करना होगा तथा अपना राज्य,केंद्र शासित प्रदेश व कैप्चा एंटर करना होगा। इसके बाद अपने घर का पंजीकरण करने के लिए आवश्यक डेटा भरना होगा, जिसमें घर के मालिक का नाम, 10 अंकों का मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी (ऐच्छिक)। घर के मालिक का नाम दोबारा बदला नहीं जा सकेगा तथा एक मोबाइल नंबर के साथ एक घर ही पंजीकृत हो सकेगा। एक बार एक घर के साथ मोबाइल नंबर पंजीकृत होने के बाद वह मोबाइल नंबर दूसरे घर के लिए प्रयोग नहीं हो सकेगा।

मध्यप्रदेश के कर्मचारियों को बड़ी राहत: छठे वेतनमान वालों का डीए बढ़ा, एरियर भी मिलेगा किस्तों में

भोपाल। Madhya Pradesh की सरकार ने राज्य के हजारों कर्मचारियों को बड़ी आर्थिक राहत देने वाला फैसला लिया है। लंबे समय से महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी का इंतजार कर रहे छठे वेतनमान के कर्मचारियों के लिए सरकार ने अहम घोषणा करते हुए उनके डीए में 5 प्रतिशत की वृद्धि कर दी है। इस फैसले से करीब 40 हजार कर्मचारियों और अधिकारियों को सीधा लाभ मिलेगा और उनकी मासिक आय में भी बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। सरकारी आदेश के अनुसार, अब छठे वेतनमान के अंतर्गत आने वाले कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 252 प्रतिशत से बढ़ाकर 257 प्रतिशत कर दिया गया है। यह बढ़ोतरी भले ही अभी लागू की जा रही हो, लेकिन इसका लाभ पिछली तारीख से दिया जाएगा। सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह संशोधित डीए 1 जुलाई 2025 से प्रभावी माना जाएगा। इसका मतलब यह है कि कर्मचारियों को पिछले कई महीनों का बकाया भी मिलेगा, जिससे उन्हें एकमुश्त राहत का अनुभव होगा।

हालांकि सरकार ने एरियर भुगतान को लेकर एक संतुलित व्यवस्था बनाई है। जुलाई 2025 से लेकर मार्च 2026 तक का एरियर कर्मचारियों को एक साथ नहीं दिया जाएगा, बल्कि इसे छह बराबर किस्तों में बांटकर भुगतान किया जाएगा। यह किस्तें मई 2026 से शुरू होकर जून, जुलाई, अगस्त, सितंबर और अक्टूबर 2026 तक जारी रहेंगी। इस व्यवस्था का उद्देश्य सरकारी वित्तीय बोझ को संतुलित रखना है, साथ ही कर्मचारियों को नियमित रूप से अतिरिक्त राशि मिलती रहे। इस फैसले का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि जो कर्मचारी या अधिकारी इस अवधि के दौरान सेवानिवृत्त हो चुके हैं, उन्हें एरियर का भुगतान एकमुश्त किया जाएगा। इससे रिटायर कर्मचारियों को किसी तरह की देरी का सामना नहीं करना पड़ेगा और उन्हें उनका पूरा लाभ तुरंत मिल जाएगा। यह निर्णय सरकार की संवेदनशीलता को दर्शाता है, क्योंकि सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए एकमुश्त भुगतान अधिक उपयोगी होता है।

दरअसल, महंगाई भत्ता कर्मचारियों के वेतन का वह हिस्सा होता है, जो बढ़ती महंगाई के प्रभाव को कम करने के लिए दिया जाता है। समय-समय पर सरकार इसे संशोधित करती रहती है, ताकि कर्मचारियों की क्रय शक्ति बनी रहे। हाल के वर्षों में महंगाई दर में उतार-चढ़ाव को देखते हुए यह बढ़ोतरी कर्मचारियों के लिए काफी राहत भरी मानी जा रही है। राज्य सरकार इससे पहले सातवें वेतनमान के कर्मचारियों को भी राहत दे चुकी है। हाल ही में सातवें वेतनमान के अंतर्गत आने वाले कर्मचारियों का डीए 3 प्रतिशत बढ़ाकर 58 प्रतिशत कर दिया गया था। छठे और सातवें वेतनमान के बीच वेतन संरचना में अंतर होने के कारण दोनों के डीए प्रतिशत अलग-अलग निर्धारित किए जाते हैं। छठे वेतनमान में बेसिक वेतन अपेक्षाकृत कम होता है, इसलिए उसमें महंगाई भत्ता अधिक प्रतिशत में दिया जाता है, जबकि सातवें वेतनमान में बेसिक वेतन अधिक होने के कारण डीए का प्रतिशत कम होता है।

इस फैसले को कर्मचारियों के लिए आर्थिक मजबूती के रूप में देखा जा रहा है। लगातार बढ़ती महंगाई के बीच यह बढ़ोतरी उनके दैनिक खर्चों को संतुलित करने में मदद करेगी। साथ ही, एरियर के रूप में मिलने वाली अतिरिक्त राशि से भी कर्मचारियों को वित्तीय राहत मिलेगी, जिसे वे अपनी जरूरतों के अनुसार उपयोग कर सकेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के फैसले न केवल कर्मचारियों के मनोबल को बढ़ाते हैं, बल्कि उनके कार्य प्रदर्शन पर भी सकारात्मक प्रभाव डालते हैं। जब कर्मचारियों को समय पर आर्थिक लाभ मिलता है, तो वे अपने काम के प्रति अधिक समर्पित और संतुष्ट महसूस करते हैं। इसका सीधा असर सरकारी कामकाज की गुणवत्ता पर भी पड़ता है। कुल मिलाकर, मध्यप्रदेश सरकार का यह फैसला राज्य के कर्मचारियों के लिए एक बड़ी राहत के रूप में सामने आया है। डीए में 5 प्रतिशत की वृद्धि और एरियर भुगतान की स्पष्ट व्यवस्था ने कर्मचारियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा कर दिया है। अब आने वाले महीनों में जब किस्तों के रूप में एरियर का भुगतान शुरू होगा, तो कर्मचारियों को इसका वास्तविक लाभ महसूस होने लगेगा और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार देखने को मिलेगा।

माफियाओं में नहीं किसी का डर निजी भूमि को बनाया अबैध कोयले का गढ़

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल। जिले में खनन माफियाओं के हौसले इस कदर बुलंद हो चुके हैं कि अब वे दिनदहाड़े लोगों की निजी जमीन में घुसकर अवैध रूप से कोयले का उत्खनन कर रहे हैं। ताजा मामला बुढार थाना क्षेत्र के

नवाटोला का है, जहां एक पीड़ित ने आरोप लगाया है कि उसकी जमीन में जबरन सुरंग बनाकर कोयला निकाला जा रहा है, जिसकी शिकायत उसने पुलिस से की है। शिकायतकर्ता ओमप्रकाश साकेत ने बताया कि उनकी पट्टे की जमीन, जिसका खसरा नंबर 732/2/5 है, पर लगातार अवैध तरीके से सुरंग बनाकर कोयला निकाला जा रहा है। उन्होंने कई बार खनन कर रहे लोगों को रोकने की कोशिश की, लेकिन माफिया मानने को तैयार नहीं हैं। उल्टा अब उन्हें धमकियां भी दी जा रही हैं, जिससे परिवार में दहशत का माहौल है।

पीड़ित ने बताया कि स्थिति इतनी गंभीर है कि उन्होंने मौके पर डायल 112 को भी बुलाया, लेकिन पुलिस की मौजूदगी के बाद भी खनन माफियाओं के हौसले कम नहीं हुए। कुछ समय बाद ही फिर से उसी जगह नई सुरंग बनाकर कोयले का उत्खनन शुरू कर दिया गया। ओमप्रकाश साकेत का कहना है कि उनकी निजी जमीन में लगातार सुरंग बनाई जा रही है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर कोई अप्रिय घटना होती है, तो उसकी जिम्मेदारी आखिर किसकी होगी। पुलिस और खनिज विभाग की निष्क्रियता पर भी उन्होंने नाराजगी जताई है। खनन रोकने में जब स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभाग नाकाम रहे, तो पीड़ित ने घटनास्थल से वीडियो बनाकर कार्रवाई की मांग की है। इस पूरे मामले में खनिज निरीक्षक अभिषेक पटले ने कहा कि उन्हें फिलहाल इस मामले की जानकारी नहीं है और वे छुट्टी पर हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि शिकायत मिलने पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

नरवर पुलिस की त्वरित कार्रवाई: नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार

नरवर (शिवपुरी) | 16 अप्रैल 2026 शिवपुरी पुलिस ने महिला एवं बालिका सुरक्षा के प्रति अपनी संवेदनशीलता और तत्परता दोहराते हुए एक बड़ी सफलता हासिल की है। थाना नरवर पुलिस ने नाबालिग से संबंधी अपराध (पॉक्सो एक्ट) के मामले में तत्परता दिखाते हुए फरार आरोपी को महज 24 घंटे के भीतर सलाखों के पीछे पहुँचा दिया है।

क्या है पूरा मामला?

थाना नरवर में हाल ही में अपराध क्रमांक 68/26 दर्ज किया गया था, जिसमें आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 137 (2), 64 (1), 87 और 3/4 पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज था। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक शिवपुरी, अमन सिंह राठौड़ ने आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी हेतु कड़े निर्देश जारी किए थे।

घेराबंदी कर दबोचा गया आरोपी

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले एवं एसडीओपी करैरा आयुष जाखड़ के कुशल मार्गदर्शन में नरवर थाना प्रभारी ने टीम गठित की। पुलिस को मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि आरोपी भागने की फिराक में है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने घेराबंदी की और आरोपी आकाश कुशवाह (24 वर्ष), निवासी अंगोली चक नरवर, को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया।

फुटपाथ की रोशनी में पढ़कर चमकी 'चांदनी'

बढ़ई की टॉपर बेटी को सीएम ने घर बुलाकर दिया सम्मान

भोपाल (नप्र)। राजधानी की घनी आबादी वाली भीम नगर झुग्गी बस्ती की 18 साल की चांदनी विश्वकर्मा मध्य प्रदेश बोर्ड की 12वीं क्लास की टॉपर बनकर उभरी हैं। उन्होंने कॉमर्स स्ट्रीम में 500 में से 494 अंक हासिल करते हुए शानदार 98.8 प्रतिशत स्कोर किया है। उन्होंने कुल 7 लाख छात्रों को पीछे छोड़ते हुए यह शीर्ष स्थान हासिल किया।

- **नामी कोचिंग सेंटर और साथियों को पछाड़ा–** मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने बुधवार को पूरे राज्य में खुशी और उत्साह के माहौल के बीच नतीजों की घोषणा की। चांदनी के स्कोर ने बड़े शहरों के नामी कोचिंग सेंटरों से आए अपने काबिल साथियों को भी पीछे छोड़ दिया, जिससे यह साबित हो गया कि सच्ची लगन और मेहनत से विशेषाधिकारों से बनी बाधाओं को भी तोड़ा जा सकता है।
- **बढ़ई का काम करते हैं पिता–** भीम नगर में चांदनी के परिवार के लिए ज़िंदगी एक बहुत ही मुश्किल संघर्ष है। उनके पिता रामभुवन, जो एक दिहाड़ी मज़दूर और बढ़ई हैं, सुबह से ही कड़ी मेहनत करते हैं। उनके हाथों में पड़े कड़े निशान उनकी मेहनत की गवाही देते हैं, जिससे उन्हें बस इतनी ही कमाई हो पाती है कि वे अपनी पत्नी, छोटे बेटे और चांदनी का पेट भर सकें।
- **फुटपाथ पर बैठकर की पढ़ाई–** चांदनी ने बताती हैं कि कई रातें मैंने सड़क के किनारे फुटपाथ पर बैठकर, मच्छरों और टिमटिमाते बल्बों की रोशनी में, अकाउंट्स और इकोनॉमिक्स का रिवीजन करते हुए बिताई हैं। वह यह बात गुरुदेव गुप्ता शिक्षा केंद्र के बाहर बता रही थीं। यह झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले बच्चों के लिए जागरण सोशल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा चलाया जाने वाला एक मुफ्त स्कूल है, जहां चांदनी पढ़ती थीं।
- **पिता को बनाया प्रेरणा–** उन्होंने कहा, कोई फीस नहीं, सिर्फ अवसर... यही मेरे स्कूल का मूलमंत्र है। इसी बात ने मुझे आगे बढ़ने की हिम्मत दी। गरीबी हर कदम पर उनका पीछा करती थी। फिर भी चांदनी ने इन बाधाओं को अपनी ताकत बना लिया। वह रोज़ाना 8-9 घंटे पढ़ाई करती थीं, और उनका यह पक्का इरादा किस्मत के खिलाफ एक खामोश विद्रोह जैसा था। हर शाम मेरे पिता की थकी हुई आंखें मुझसे चीख-चीखकर कहती थीं कि सफल हो जाओ, वरना हम हमेशा के लिए गरीबी के दलदल में डूब जाएंगे।
- **सीएम ने घर बुलाकर किया सम्मान–** मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस होनहार छात्रा को अपने आवास पर बुलाकर सम्मानित किया। उन्होंने चांदनी को वंचित युवाओं के लिए एक प्रेरणास्रोत बताया और उन्हें हर संभव सरकारी मदद देने का वादा किया। उन्होंने कहा, चांदनी ने हम सभी को गौरवान्वित किया है। मुख्यमंत्री ने इस किशोरी को व्यक्तिगत रूप से बधाई दी, जिसकी सफलता ने समाज में मौजूद असमानताओं को भी सबके सामने ला दिया है।
- **सीए बनने का है सपना–** अब चांदनी ने सीए (चार्टर्ड अकाउंटेंट) की परीक्षा पास करने का लक्ष्य बनाया है। उनका सपना है कि वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार को इस झुग्गी-बस्ती से बाहर निकालें और उन्हें एक बेहतर जिंदगी दें।

सांस्कृतिक महाकुंभ एकात्म पर्व का शुक्रवार को करेंगे शुभारंभ

भोपाल (नप्र)। भारतीय संस्कृति के पुनरुद्धारक और अद्वैत वेदांत के प्रखर प्रणेता आदि गुरु शंकराचार्य की दीक्षा स्थली ओंकारेश्वर में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कल, 17 अप्रैल शुक्रवार से पाँच दिवसीय 'एकात्म पर्व' का मंगलमय शुभारंभ करेंगे। मांधाता पर्वत की कंदराओं में रचे-बसे 'एकात्म धाम' में आयोजित यह महोत्सव दार्शनिक चिंतन, सांस्कृतिक चेतना और आध्यात्मिक ऊर्जा का अनूठा संगम होगा। वैशाख शुक्ल पंचमी के पावन अवसर पर आयोजित इस अनुष्ठान में देश-विदेश के शीर्ष संत, मनीषी और विद्वान सम्मिलित होकर एकात्मता के वैश्विक संदेश को रेखांकित करेंगे।

प्रदेश के 16 जिलों में लू की चेतावनी

इंदौर-उज्जैन, नर्मदापुरम और जबलपुर संभाग में अलर्ट; तापमान 42 डिग्री के पार

भोपाल (नप्र)। एमपी के 16 जिलों में गुरुवार को हीट वेव यानी, लू की चेतावनी जारी की गई है। मौसम केंद्र भोपाल का सीजन में पहली बार इतने जिलों में अलर्ट है। अगले 4 दिन तक प्रदेश के कई जिले गर्म हवा की चपेट में रहेंगे। गुरुवार को जिन जिलों में लू चल सकती है, उनमें रतलाम, झाबुआ, धार, आलीराजपुर, बड़वानी, खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा, हरदा, नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला और बालाघाट शामिल हैं। इससे पहले छिंदवाड़ा, पांढुर्णा और मंडला में लू जैसा असर देखने को मिला। मौसम विभाग ने इन जिलों के लिए अलर्ट जारी किया था। मौसम विभाग के अनुसार, अप्रैल के दूसरे पखवाड़े में तेज गर्मी पड़ती है। इस बार भी ऐसा ही है। शुरुआती नौ दिन तक आंधी, बारिश और ओले का दौर रहा। 10 अप्रैल से गर्मी बढ़ गई। अब असर ज्यादा रहेगा।

25 शहरों में पारा 40 डिग्री, इंदौर-ग्वालियर सीजन में सबसे गर्म– इससे पहले प्रदेश में बुधवार को गर्मी के तीखे तेवर देखने को मिले। सीजन में पहली बार 25 शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री या इससे अधिक पहुंच गया। इंदौर और ग्वालियर भी सीजन के सबसे गर्म रहे और यहां पारा 40 डिग्री के पार पहुंच गया। वहीं बुरहानपुर, हरदा, रतलाम में गर्मी के कारण स्कूलों का समय बदलवा किया गया। प्रदेश में छतरपुर का नौगांव सबसे गर्म रहा। यहां अधिकतम तापमान 42.4 डिग्री दर्ज किया गया। खजुराहो में 42.2 डिग्री, रतलाम में 42 डिग्री, नर्मदापुरम में 41.8 डिग्री, सतना में 41.7 डिग्री, मंडला में 41.6 डिग्री, सीधी में 41.2 डिग्री, शाजापुर में 41.1 डिग्री, टीकमगढ़, धार, खरगोन-रीवा में 41 डिग्री, उमरिया-दतिया में 40.8 डिग्री, श्योपुर, दमोह-रायसेन में 40.4 डिग्री, गुना में 40.3 डिग्री, छिंदवाड़ा, मलाजखंड-बैतूल में 40.2 डिग्री, खंडवा में 40.1 डिग्री और सागर में पारा 40 डिग्री रहा। प्रदेश के 5 बड़े शहरों की बात करें तो इंदौर में 40 डिग्री, ग्वालियर में 40.2 डिग्री, भोपाल में 39.5 डिग्री, उज्जैन में 39.7 डिग्री और जबलपुर में तापमान 39.9 डिग्री सेल्सियस रहा।

सुंदरलाल पटवा राष्ट्रीय नगर प्रबंधन संस्थान में 'शहरी सुधार कार्यशाला' का किया शुभारंभ

सभी अधिकारी नगरीय निकायों को स्वावलंबी और विकास केंद्र के रूप में करें स्थापित : मंत्री विजयवर्गीय

भोपाल (नप्र)। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने सुंदरलाल पटवा राष्ट्रीय नगर प्रबंधन संस्थान में दीप प्रज्ज्वलित कर 'शहरी सुधार कार्यशाला'का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश के नगरीय निकायों के अधिकारियों को संबोधित करते हुए दूरदर्शी नेतृत्व और कर्मठता के साथ नगरों के कायाकल्प करने का आह्वान किया।

प्रशासन व्यवहार से चलता है, जन-सेवा ही सर्वोपरि – मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि जीवन में सीखने की प्रक्रिया कभी समाप्त नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को प्रेरित करते हुए कहा कि, यदि सभी अधिकारी विद्यार्थी भाव को आत्मसात कर जीवन जिएंगे, तो व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन दोनों ही उत्कृष्ट होंगे। उन्होंने कहा कि प्रशासन केवल नियमों से नहीं, बल्कि उचित व्यवहार से चलता है। जनता की सेवा के लिए समर्पण और कठोर परिश्रम ही एक सफल अधिकारी की वास्तविक पहचान है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों को दोहराते हुए श्री विजयवर्गीय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की मंशा के अनुरूप हमें सभी नगरीय निकायों को आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने निर्देश दिए कि हमारे शहरी केंद्रों को विकास केंद्र के रूप में विकसित किया जाए। अधिकारियों को अब केवल सुदृढ़ सड़क और स्वच्छ जल तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें शहर में रोजगार के नवीन अवसर उत्पन्न करने की दिशा में भी सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

नवाचार और राजस्व वृद्धि पर विशेष बल– मंत्री श्री विजयवर्गीय ने नगरों के आर्थिक सुदृढ़ीकरण पर चर्चा करते हुए भूमि मुद्रीकरण और भूमि के कुशल प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। उन्होंने कहा कि अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि नगरीय भूमि का उपयोग जनकल्याणकारी और विकास कार्यों के लिए प्रभावी ढंग से हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि आने वाला समय शहरीकरण का है। यदि आप पारदर्शिता और जन-भागीदारी के साथ नवीन कार्य करेंगे और गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ देंगे, तो जनता भी कर वृद्धि जैसे निर्णयों में सहर्ष आपका साथ देगी। उन्होंने अधिकारियों को जन-प्रतिनिधियों के साथ सामंजस्य बिठाकर चुनौतियों को स्वीकार करने की सीख दी। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने नवनियुक्त मुख्य नगर पालिका अधिकारियों से संवाद के दौरान कहा कि नगरीय निकायों में कार्य करते समय सेवा भाव अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि यह सीधे जनता से जुड़ा दायित्व है। अपर मुख्य सचिव श्री संजय दुबे ने कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस संस्थान में प्रथम बार इस प्रकार का प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों से सक्रियता, ऊर्जा और पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने की अपेक्षा की। श्री दुबे ने बताया कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य आगामी वर्ष के लिए एक सुव्यवस्थित कार्ययोजना तैयार करना और नियोजित विकास के साथ नागरिक जागरूकता विकसित करना है। उन्होंने अर्बल चेलेंज फंड और द्वारका योजना जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं के माध्यम से नगरीय निकायों के कायाकल्प की संभावनाओं पर भी बल दिया।

नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि विभाग एक परिवार और सामूहिक भावना के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के सभी 16 नगर निगमों के आयुक्त, मुख्य नगरपालिका अधिकारी और वरिष्ठ अधिकारी इस कार्यशाला में सम्मिलित हैं। कार्यशाला का मुख्य केंद्र नागरिक संतुष्टि और मूलभूत सिद्धांतों पर कार्य करना है।